सृजन

वार्षिक पत्र — हिन्दी विभाग, सेंट बीडज़ कॉलेज, शिमला

संस्करण 3 वर्ष 2017

हिन्दी [illegible]

हिन्दी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। सामान्यतः प्राकृत की अन्तिम अपभ्रंश अवस्था से ही हिन्दी साहित्य का आविर्भाव स्वीकार किया जाता है। उस समय अपभ्रंश के कई रूप थे और उनमें सातवीं - आठवीं शताब्दी से ही 'पद्य' रचना प्रारम्भ हो गयी थी। हिन्दी भाषा व साहित्य के जानकार अपभ्रंश की अंतिम अवस्था - अवहट्ठ' से हिन्दी का उद्‌भव स्वीकार करते हैं।

हिन्दुस्तानी भाषा का एक मानकीकृत रूप है जिसमें संस्कृत और अरबी - फारसी, तत्सम, तद्‌भव शब्दों का प्रयोग होता हैं। हिन्दी संवैधानिक रूप से भारत की प्रथम राजभाषा और भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। अंग्रेजी के बाद यह विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा भी है। विश्व आर्थिक मंच की गणना के अनुसार यह विश्व की दस शक्तिशाली भाषाओं मे से एक है।

हिन्दी और उर्दू दोनों को मिलाकर हिन्दुस्तानी भाषा कहा जाता है। हिन्दुस्तानी मानकीकृत हिन्दी और मानकीकृत उर्दू की बोलचाल की भाषा है। इसमें शुद्ध संस्कृत और शुद्ध फारसी - अरबी दोनों के शब्द कम होते हैं और तद्‌भव शब्द अधिक। हिन्दी भारतीय संघ की राजभाषा है। यह इन भारतीय राज्यों की भी राज भाषा है।

कृतिका कशवाल
कला - चतुर्थ सत्र

राष्ट्र भाषा हिन्दी

हिन्दी, हिन्दुस्तानी भाषा का मानकीकृत रूप है जिसमें संस्कृत के तत्सम शब्दों का प्रयोग अधिक होता है और अरबी - फारसी और संस्कृत से तदभव शब्द कम हैं। हिन्दी संवैधानिक रूप से भारत की प्रथम राष्ट्रभाषा और भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। चीनी तथा अंग्रेज़ी के बाद यह विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा भी है। विश्व आर्थिक मंच की गणना के अनुसार यह विश्व की दस शक्तिशाली भाषाओं में से एक है।

हिन्दी राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, जनभाषा के स्तर को पार कर विश्वभाषा बनने की ओर अग्रसर है। भाषा विकास क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी हिन्दी प्रेमियों के लिए बड़ी सन्तोष जनक है कि आने वाले समय में विश्वस्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की जो चन्द भाषाएँ होंगी उनमें हिन्दी भी प्रमुख होगी।

हिन्दी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है। 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राष्ट्रभाषा होगी। इसी महत्वपूर्ण निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर सन् 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी - दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अनामिका शर्मा
विज्ञान - द्वितीय सत्र